NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR, PALAMU

(Examination Department)

B.A./B.Sc./B.Com. Semester - VI Examination 2022 (Attendance Sheet)

Room No: 03

Centre Of Exam	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu
College Name	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu — Time : 10:00 AM TO 11:00 AM (I)
Course	: Bachelor of Arts (Honours) — Date of Exam. 21/01/2023
Subject & Paper Name	: 0837-Home Science CC-13 Paper- Practical

Sl. No.	Roll Number	Name	Photo graph	Copy No.	Additional Copy No.	Signature of Students
1	200140500657	ANISHA KUMARI		530745		Anisha kumari

Ext-

S. Kujur
21/01/2023

Smita Pandey
21/01/2023

[signature]
21.01.2023
Principal
Sant Tulsidas College
Rehla, Palamu

Total Count on the page : 1

Total Present 01

Signature of Invigilators:

Sant Tulsidas College, Rehla, Palamau
Practical Examination 2022
Session: 2019-22, Semester: VI

Subject: B.A. Home Sc (Pract.) **Paper: CC 13**
Full Marks: 25 **Time: 3 hour**

समस्या(Problem)

1. पुष्प व्यवस्था करना।
2. विभिन्न कमरों में फर्निचर व्यवस्था करना।

Centre Superintendent
Sant Tulsidas College
Rehla.Palamu

~~05307~~45
530745

नाम → Anisha Kumari
अनुक्रमांक → 20014050065 7
विषय → गृह विज्ञान
Papername → CC 13
Semester – VI

18/25

Exp – 10
N.B. Viva – 08
Total – 18

प्रयोग 1 → पुष्प व्यवस्था करना ?

प्रयोग 2 → विभिन्न कमरो में फर्नीचर व्यवस्था करना ?

(उत्तर)

प्रयोग => (पुष्प व्यवस्था)

(सामाग्री)

(1) पुष्प -> रस्टर, कैलमइला, गेंदा, कारनेशन, कैना, डेजी, लिली, जीनिया इत्यादि।

(2) फूलदान :- कोई भी पीतल, चीनी मिट्टी काँच, ताँबा, काँसा इत्यादि का बना उथला या छोटे मुख वाला अन्य पात्र प्रयोग कर सकते है।

(3) पिन होल्डर :- उथले फूलदान में पुष्प व्यवस्थित करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। यह लोहे का बना ~~होता~~ हुआ होता है।

(4) आकर्षक पत्तियाँ, टहनियाँ या सूखी टहनियाँ।

5) पत्थर के टुकड़े, सीप, रेत, पारदर्शक टेप, पिन, तेज, कैंची व ब्लेड पानी नमक

6) पुष्प व्यवस्था से पूर्व ताजी पुष्प पत्ती इत्यादि रखने के लिए कोई पात्र।

(पुष्प विन्यास के सिद्धान्त)

वह कला जिनकी व्यवस्था पुष्पों पौधे तथा अन्य सामग्री से की जाय व संयोजन द्वारा आकृति, बनावट व रंग की अनुरूपता उत्पन्न हो उसे 'पुष्प' सज्जा' सज्जा' कहा जाता है।

पुष्प व्यवस्था एक प्रकार की कला है अतः इसका समायोजन कला के सिद्धान्तों पर निर्भर करता है। इस प्रकार कला के सिद्धान्तों का पुष्प सज्जा में महत्वपूर्ण स्थान है।

अनुरूपता। - किसी भी कलाकृति में रेखा, आकार, रंग व बनावट के द्वारा अनुरूपता उत्पन्न होती है।

(2) अनुपात :- अनुपात द्वारा पुष्प सज्जा का आकर्षण बढ़ता है। छोटी डंडियों वाले पुष्प छोटे व लम्बी डंडियों वाले बड़े फूलदान में लगाकर अनुपात उत्पन्न होगा। फूलों का प्रयोग विषम संख्या में करें। जब अनेक रंगों के फूलों को एक साथ सजायें तब भी विषम संख्या अपेक्षा कृत अधिक आकर्षक प्रतीत होगी।

(3) संतुलन :- पुष्प सज्जा में औपचारिक व अनौपचारिक संतुलन का प्रयोग किया जा सकता है। औपचारिक संतुलन से की गयी व्यवस्था में छोटे फूलों को संतुलित करता है।

(4) बल : पुष्पों का सामूहिक विन्यास :- एक ही प्रकार के फूलों का हो हो या भिन्न-2 प्रकार के पुष्पों का यदि उनमें सबसे अधिक प्रभावशाली फूल या फूलों का समूह बीच में या सामने की ओर लगाया जाता है।

NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR, PALAMU
(Examination Department)
B.A./B.Sc./B.Com. Semester - VI Examination 2022 (Attendance Sheet)

Room No: 02

Centre Of Exam	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu		
College Name	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu	Time :	01:00 PM to 02:00 PM
Course	: Bachelor of Arts (Honours)	Date of Exam. :	21/01/2023
Subject & Paper Name	: 0838-Home Science CC-14 Practical		

Sl. No.	Roll Number	Name	Photo graph	Copy No.	Additional Copy No.	Signature of Students
1	200140500657	ANISHA KUMARI		495248		Anisha Kumari

Ext.
S. Kujur
21/01/2023

Smita Pandey
21/01/2023

21.01.23
Principal
Sant Tulsidas College
Rehla, Palamu

Sant Tulsidas College, Rehla, Palamau
Practical Examination 2022
Session: 2019-22, Semester: VI

Subject: B.A. Home Sc (Pract.) **Paper: CC 14**
Full Marks: 25 **Time: 3 hour**

समस्या(Problem)

1. बाल–अध्ययन का साक्षात्कार विधि को समझाये।
2. प्रश्नावली को परिभाषित कीजिए तथा इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

[signature] 159/248

Centre Superintendent
Sant Tulsidas College
Rehla,Palamu

Name – Anisha Kumari
Roll number – 200140500657
Sub name – Home Science
Paper name – CC 14
Semester – VI
Session – 2019 – 22
Date – 10/12/2022

S. Kujur

19/25

Exp – 10

Viva + N.B. – 09

Total – (19) Ninteen only

प्रयोग 1-> बाल - अध्ययन का साक्षात्कार विधि को समझाये ?

प्रयोग - 2-> प्रश्नावली को परिभाषित कीजिए तथा इसके महत्व पर प्रकाश डालिए ?

(उत्तर)

प्रयोग 1

साक्षात्कार विधि के द्वारा अध्ययन करने में साक्षात्कारकर्ता तथा सूचनादाता आमने - सामने बैठते हैं, तथा साक्षात्कारकर्ता सूचनाएं एकत्रित करता है।

" साक्षात्कार वह साधन है जिसके द्वारा मौखिक तथा लिखित सूचना प्राप्त की जाती है। "

साक्षात्कार की विधि इस प्रकार है - साक्षात्कारकर्ता सूचनादाता को अपने सामने बैठा लेता है।

फिर वह सूचनादाता से उसकी समस्या के सम्बन्ध में लिखित या मौखिक सूचना एकत्रित करता है।

मनोविज्ञान में इस विधि का प्रयोग स्वतन्त्र और सहायक विधि के रूप में किया जाता है। परन्तु इस विधि का प्रयोग सहायक विधि के रूप में अधिक बार किया जाता है।

प्राथमिक समूह एकत्रित करने के लिए भी इस विधि का प्रयोग किया जाता है।

साक्षात्कार विधी के प्रकार।-

साक्षात्कार विधी दो प्रकार की होती हैं:-

(1) प्रामाणिक साक्षात्कार विधी-

साक्षात्कार विधि की विशेषता यह है कि जब इस विधी का प्रयोग किया जाता है। तो उन प्रश्नो को पहले से ही तैयार कर लिया जाता है जिनको ही पूछा जाता है।

यह विधि अधिक विश्वसनीय मानी जाती है क्योंकि इससे प्राप्त परिणाम अधिक विश्वसनीय मानी जाती है क्योंकि इससे प्राप्त परिणाम अधिक विश्वसनीय होते हैं। यह विधी तुलना करने के लिए भी अधिक उपयुक्त मानी जाती है।

(2) अप्रामाणिक साक्षात्कार विधी।-

जब किसी समस्या का अध्ययन इस विधि से किया जाता हैं। तो पहले से ही प्रश्नो की रचना नहीं की जाती है। प्रश्नों की संख्या भी निश्चित नहीं की जाती है। साक्षात्कारकर्ता किसी भी प्रकार के प्रश्न पूछने के लिए स्वतन्त्र होता है।

साक्षात्कार का महत्व ।- किसी समस्या का अध्ययन करने तथा सूचनाएँ एकत्रित करने के लिए साक्षात्कार विधि अत्यन्त उपयोगी मानी जाती है।

मनोविज्ञान में साक्षात्कार का महत्व इस प्रकार है—

(1) भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन ।- साक्षात्कार भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन करने में सहायक होता है। समाज में अनेक घटनाओं का अध्ययन करने में सहायक होती हैं, समाज में अनेक घटनाएँ घटित होती रहती हैं। इस प्रकार कुछ घटनाएँ प्राचीन होती जाती है और ये भूतकाल का विषय ~~बनी~~ बन जाती हैं।

(2) अमूर्त घटनाओं का अध्ययन ।- समाज सामाजिक सम्बन्धों का जाल है। सामाजिक सम्बन्ध अमूर्त धारणा है। इन ~~छिपे~~ छिपे हुए तथ्यों को ~~समझने~~ साक्षात्कार के द्वारा जाना जा सकता है।

(3) संवेगात्मक तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में घटनाओं का ज्ञान।- किसी घटना की संवेगात्मक तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को साक्षात्कार के द्वारा समझा जा सकता है।

(4) मनोवैज्ञानिक विधि।- साक्षात्कार एक मनोवैज्ञानिक विधि है।

NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR, PALAMU

(Examination Department)

B.A./B.Sc./B.Com. Semester - VI Examination 2022 (Attendance Sheet)

Room No: 02

...ntre Of Exam	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu	
College Name	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu	
Course	: Bachelor of Arts (Honours)	Time : 10:00 AM TO 11:00 AM (I)
Subject & Paper Name	: 0845-Home Science DSE-3 Practical	Date of Exam. 22/01/2023

Sl. No.	Roll Number	Name	Photo graph	Copy No.	Additional Copy No.	Signature of Students
1	200140500657	ANISHA KUMARI		507302		Anisha Kumari

Ext -
S. Kujur
22/01/2023

Smita Pandey
22/01/2023

[signature]
22.01.23
Principal
Sant Tulsidas College
Rehla, Palamu

...Count on the page : 1   Total Present 01   ----------------------------   Signature of Invigilators:

2

Sant Tulsidas College, Rehla, Palamau
Practical Examination 2022
Session: 2019-22, Semester: VI

Subject: B.A. Home Sc (Pract.) **Paper: DSE-03**
Full Marks: 25 **Time: 3 hour**

समस्या(Problem)

1. गर्भवती स्त्री के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की गणना करना?
2. 5 वर्ष के बालक के लिए एक दिन के आहार का आयोजन करना एवं कैलोरी की गणना करना?

507302

Centre Superintendent
Sant Tulsidas College
Rehla,Palamu

Name - Anisha Kumari
Rollnum → 200140500657
Sub name → Home Science
Peper name → DSE - 3
Semester → VI

Skujur

21/25

Expt. — 11

N.B + Viva - 10

Total - 21

प्रयोग संख्या 1 → गर्भवती स्त्री के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की गणना करना?

प्रयोग संख्या 2 → 5 वर्ष के बालक के लिए एक दिन के आहार का आयोजन करना एवं कैलोरी की गणना करना।

(उत्तर)

प्रयोग 1 गर्भवती स्त्री के लिए आवश्यक पोषक समाधान। - आहार में ध्यान देने योग्य बातें (6)

(1) गर्भवती स्त्री को पहले कुछ माह में हल्का आहार का सेवन करना चाहिए जो कि उसकी रुची और पाचन के अनुकूल हो।

(2) आहार में धीरे-2 परिवर्तन किया जाये। मौसम, रुचि तथा मात्रा के अनुसार

(3) आहार में सलाद के रूप में कच्ची सब्जियाँ तथा फल का अधिक प्रयोग किया जाय जो शीघ्र पच सके और शरीर को पौष्टिक मात्रा मिल सके।

(4) आहार में सन्तुलन रखा जाय जिससे आवश्यक पौष्टिक तत्वों की उपलब्धि व प्राप्ति हो।
जैसे - प्रोटीन, विटामिन

(5) आहार का जो क्रम निर्धारित किया जाय, उसी के आधार पर खाद्य पदार्थों की मात्रा का

नहीं प्रयोग करें।

(6) आहार में वसा की मात्रा व तीव्र मसालों का प्रयोग आवश्यकता से अधिक नहीं किया जाय।

[गर्भवती स्त्री के खाद्य पदार्थ]
साधारण कार्य

अनाज	शाकाहारी ग्राम	मांसाहारी ग्राम
अनाज	350	350
दाल	60	45
हरी सब्जी	150	150
अन्य सब्जी	125	125
फल	30	30
दूध	325	325
घी या तेल	30	35
चीनी	40	40
अण्डा	—	30

[गर्भवती स्त्री के पोषक तत्व]

कैलोरीज	—	2300
प्रोटीन		100
कैल्शियम		1.5

लोहा — (20-30)

विटामिन 'ए' (आई०यू०) 4000-5000

विटामिन 'D' 400-800

थायामिन 1.0-2.0

एस्कार्बिक अम्ल 50

NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY, MEDININAGAR, PALAMU

(Examination Department)

B.A./B.Sc./B.Com. Semester - VI Examination 2022 (Attendance Sheet)

Room No: 02

...re Of Exam	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu
...llege Name	: 14 - St. Tulshidas College, Rehla, Palamu — **Time :** 01:00 pm to 02:00 pm
Course	: Bachelor of Arts (Honours) — **Date of Exam. :** 22/01/2023
Subject & Paper Name	: 0846-Home Science DSE-4 Practical

Sl. No.	Roll Number	Name	Photo graph	Copy No.	Additional Copy No.	Signature of Students
1	200140500657	ANISHA KUMARI		487836		Anisha Kumari

Ext -
S. Kujur
22/01/2023

[signature]
22.01.23
Principal
Sant Tulsidas College
Rehla, Palamu

Smita Pandey
22/01/2023

Total Count on the page : 1 **Total Present** 01 ------------------------ **Signature of Invigilators:**

Sant Tulsidas College, Rehla, Palamau
Practical Examination 2022
Session: 2019-22, Semester: VI

Subject: B.A. Home Sc (Pract.) | **Paper: DSE-04**
Full Marks: 25 | **Time: 3 hour**

समस्या(Problem)

1. 17 से 20 वर्ष की लड़कियों के लिए चूड़ीदार पायजामा बनाना?
2. 12 वर्ष के लड़के का कुर्त्ता बनाना?

Centre Superintendent
Sant Tulsidas College
Rehla, Palamu

~~187833~~ 6

Name – Anisha Kumari
Roll no → 200140500657
Sub name → Home science
Peper name → DSE – 4
Semester VI

S. Kujur

18/25

Expt — 09

N.B+ Viva — 09

Total — 18

प्रयोग संख्या 1 →
17 से 20 वर्ष की लड़कियों के लिए चूड़ीदार पाजामा बनाना ?

प्रयोग संख्या 2 →
12 वर्ष के लड़के का ~~पायजामा~~ कुर्ता बनाना ?

(उत्तर)

प्रयोग → 17 से 20 वर्ष की लड़कियों के लिए चूड़ीदार पाजामा बनाना।

माप → कमर से टखने की लम्बाई

लम्बाई = 38" + 2" नेफे के लिए

+ 4" चूड़ी का = 44"

कमर से जाँघ की लम्बाई -

15" — 16"

जाँघ की गोलाई = 16"

कमर से घुटने की लम्बाई — = 19"–20"

घुटने की गोलाई = 14"

कमर से पिंडली की लम्बाई =

25" — 26"

पिंडली की गोलाई = 38"

तखने की गोलाई = 12"

सीट = 10" + 2" ढील + ½ सिलाई = 12 ½"

विधि →

थैला बनाना कपड़े की चौड़ाई मध्य ~~बिन्दु~~ बिन्दु E व F लगाये।

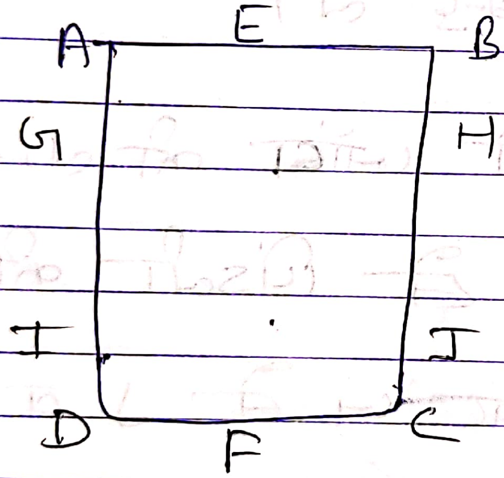

नेफा → AC रेखा पर F से I व M बिन्दु लें

~~FI = कमर से जोड़ा की लम्बाई = 16"~~

~~FM =~~

AF = DH = 2"

BD रेखा पर B के नीचे E व D के ऊपर G बिन्दु लें।

BF = DG = 2"

F को E से व H को G से सीधी रेखा द्वारा जोड़ें।

पाँचवे ! - AC रेखा पर F से I व M बिन्दु लें।

FI = कमर से जाँघ की लम्बाई = 16"

FM = कमर से पिंडली की लं० = 26"

BD रेखा पर G से J व N बिन्दु लें।

GF = FI, GN = FM के

FE पर F से S बिन्दु लें।

चूड़ीदार पायजामा काटना।-

QO, OK ; KU, US रेखाओं पर से तथा RP, PL, LV, VT रेखाओं पर से काटें व दोनों पाजामे के पायचे पृथक करें।

मियानी के लिए शीट में बिन्दुदार रेखा द्वारा दिखाई आकृति का दोहरा कपड़ा काटें।